अनुक्रमांक / **Roll No.**

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें ।

Candidate should write his/her Roll No. here.

कुल प्रश्नों की संख्या : **5**

Total No. of Questions : **5**

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : **12**

No. of Printed Pages : **12**

M2612012

संस्कृत साहित्य

SANSKRIT LITERATURE

प्रथम प्रश्न-पत्र

First Paper

समय : **3** घंटे] [पूर्णांक : **300**

Time : **3** Hours] [Total Marks : **300**

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश :

Instructions to the candidates :

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रश्न क्र. **2** से **5** तक में आंतरिक विकल्प हैं ।

   This question paper consists of *five* questions. *All* the questions have to be answered. Question Nos. **2** to **5** have an internal choice.

2. प्रश्न-पत्र के कुल अंक **300** हैं तथा निर्धारित समय **3** घंटे है । यदि अन्यथा नहीं दर्शाया गया है, तो सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका चयन आपने अपने आवेदन-पत्र में किया है । किसी अन्य माध्यम में लिखे गये उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेगा । सभी **पाँच** प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रश्न-पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें, एक ही प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से एक साथ ही लिखे जायें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखे जायें ।

The total number of marks of the question paper is **300** and the time allotted is **3** hours. *All* questions carry equal marks, unless specifically stated otherwise. Answers should be written in the medium which you have chosen in your Application Form. No marks will be awarded, if the answer is written in any other medium. All the *five* questions must be answered. Questions should be answered exactly in order in which they appear in the question paper. Answers to the various parts of the same question should be written together compulsorily and no answers of other questions should be inserted between them.

3. प्रथम प्रश्न लघु उत्तरीय होगा जिसमें **20** अनिवार्य प्रश्न होंगे । प्रत्येक का उत्तर **एक** अथवा **दो** पंक्तियों में देना होगा ।

The first question will be of short answer type consisting of **20** compulsory questions. Each one is to be answered in *one* or *two* lines.

4. जहाँ शब्द सीमा दी गई है उसका अवश्य पालन करें ।

Wherever word limit has been given, it must be adhered to.

5. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपांतर में से अंग्रेजी रूपांतर मानक माना जायेगा ।

In case there is any error of printing or factual nature, then out of the Hindi and English versions of the question, the English version will be treated as standard.

1. निम्नलिखित प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर **एक** या **दो** पंक्तियों में दीजिए : 20×3=60

Answer the following short answer type questions in *one* or *two* lines each :

(A) "किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्" का आशय संक्षेप में समझाइये ।

Explain in brief "किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्".

(B) 'आर्त्तत्राणाय वः शस्त्रं न प्रहर्त्तुमनागसि' — यह सूक्ति किसने, किसको, कब कही ?

'आर्त्तत्राणाय वः शस्त्रं न प्रहर्त्तुमनागसि' — who said this Sukti to whom and at what time ?

(C) 'सतां हि संदेहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः' — इसका आशय स्पष्ट कीजिए ।

'सतां हि संदेहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तःकरणप्रवृत्तयः' — explain the intention of this Sukti.

(D) 'शमः प्रधानेषु तपोधनेषु गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः' का संक्षेप में अर्थ स्पष्ट कीजिये ।

'शमः प्रधानेषु तपोधनेषु गूढं हि दाहात्मकमस्ति तेजः' — explain the meaning of this, in brief.

(E) 'ओदकान्तं स्निग्धो जनोऽनुगन्तव्य इति श्रूयते' — यह सूक्ति किसने और किस समय कही ?

'ओदकान्तं स्निग्धो जनोऽनुगन्तव्य इति श्रूयते' — who said this Sukti to whom and when ?

(F) 'प्रद्वेषो बहुमानो वा सङ्कल्पादुपजायते' – ये वचन किसके हैं ? इनका संक्षेप में आशय स्पष्ट कीजिए ।

'प्रद्वेषो बहुमानो वा सङ्कल्पादुपजायते' – who said these words ? Explain the meaning in brief.

(G) 'स्वप्नवासवदत्तम्' के प्रथमांक में ब्रह्मचारी किन कारणों से यह मानता है कि यह तपोवन ही होना चाहिए ? उन कारणों को लिखिए ।

In the first act of Svapnavasavadattam, a Brahmchari estimates that this should be a Tapovan. Write those reasons.

(H) 'स्वप्नवासवदत्तम्' के विदूषक का नाम लिखिए ।

Write the name of Vidushaka of Svapnavasavadattam.

(I) वासवदत्ता के पिता का क्या नाम है ?

What is the name of the father of Vasavadatta ?

(J) 'स्त्रीस्वभावस्तु कातरः' – राजा उदयन ने यह उक्ति किस अवसर पर कही ?

At what occasion, this saying 'स्त्रीस्वभावस्तु कातरः' was said by Raja Udayana ?

(K) 'कर्तारः सुलभा लोके (विज्ञातारस्तु) दुर्लभाः' – इस सूक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

Clear the meaning of the Sukti 'कर्तारः सुलभा लोके (विज्ञातारस्तु) दुर्लभाः'.

(L) 'कादम्बरी' शब्द का व्युत्पत्तिलभ्य अर्थ लिखिए ।

Write the etimological meaning of the word 'कादम्बरी'.

(M) "अनुद्धता: सत्पुरुषा: समृद्धिभि:, स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्" का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

Write the clear meaning of the Sukti "अनुद्धता: सत्पुरुषा: समृद्धिभि:, स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्".

(N) "अमृतसहोदरापि कटुविपाका । विग्रहवत्यपि अप्रत्यक्षदर्शना । पुरुषोत्तमप्रियापि खलजन प्रिया ।" इन वाक्यों में कौनसा मुख्य अलंकार है ?

Which is the main alaṅkar in these sentences — अमृतसहोदरापि कटुविपाका । विग्रहवत्यपि अप्रत्यक्षदर्शना । पुरुषोत्तमप्रियापि खलजनप्रिया ।

(O) 'सम्प्रदाने चतुर्थी' को उदाहरण देकर समझाइये ।

Explain 'सम्प्रदाने चतुर्थी' with an example.

(P) 'स गृहाय गच्छति' को शुद्ध रूप में लिखिए ।

Correct the sentence 'स गृहाय गच्छति'.

(Q) बाण द्वारा वर्णित लक्ष्मी की निष्ठुरता पर **तीन** वाक्य लिखिए ।

Write *three* sentences on the cruelty of 'लक्ष्मी' as presented by बाण.

(R) 'भर्तृदाराभिलाषित्वादस्यां मे महती स्वता' का संदर्भ बताते हुए इसका अर्थ भी लिखिए ।

Write the context and meaning of 'भर्तृदाराभिलाषित्वादस्यां मे महती स्वता'.

(S) 'यौगन्धरायण' के चरित्र की **तीन** मुख्य विशेषताएँ लिखिए ।

Write *three* main characteristics of 'यौगन्धरायण'.

(T) महाकवि भास के कितने नाटक हैं ?

What is the number of plays of महाकवि भास ?

2. निम्नलिखित दो खण्डों (अ) एवं (आ) में से किसी **एक** खण्ड की ससंदर्भ एवं सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×20=60

Explain any *one* of the following two parts (अ) and (आ) with reference to the context :

(अ) (*i*) खगा वासोपेता: सलिलमवगाढो मुनिजन:

प्रदीप्तोऽग्निर्भाति प्रविचरति धूमो मुनिवनम् ।

परिभ्रष्टो दूराद्रविरपि च सङ्क्षिप्त किरणो

रथं व्यावर्त्यासौ प्रविशति शनैरस्तशिखरम् ॥

(*ii*) रम्याणिवीक्ष्य मधुराँश्च निशम्य शब्दान्,

पर्युत्सुकी भवति यत् सुखितोऽपि जन्तु: ।

तच्चेतसास्मरति नूनमबोधपूर्वम्,

भावस्थिराणि जननान्तरसौहृदानि ॥

(*iii*) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालन निर्म्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धि । अनुज्झितधवलापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः । अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजो-भ्रान्तिरतिदूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः । इन्द्रियहरिणहारिणी च सततमतिदुरन्तेयम् उपभोगमृगतृष्णिका नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषय स्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि मधुरतराण्यपतन्ति मनसः ।

(आ) (*i*) कातरा येऽप्यशक्ता वा नोत्साहस्तेषु जायते ।

प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते ॥

(*ii*) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया

कण्ठः स्तंभितवाष्पवृत्ति कलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम् ।

वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः

पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः ॥

(*iii*) मदजलदुर्दिननान्धकारगज-घन-घटा-परिपालितापि प्रपलायते, न परिचयं रक्षति, नाभिजनमीक्षते, न रूपमालोकयते, न कुलक्रममनुवर्त्तते, न शीलं पश्यति, न वैदग्ध्यं गणयति, न श्रुतमाकर्णयति, न धर्म्ममनुरुध्यते, न त्यागमाद्रियते, न विशेषज्ञतां विचारयति, नाचारं पालयति, न सत्यमवबुध्यते, न लक्षणं प्रमाणीकरोति । गान्धर्वनगरलेखेव पश्यत एव नश्यति ।

3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर महाकवि कालिदास के प्रकृति-चित्रण पर एक लघु निबन्ध लिखिए । 60

Write a short essay on 'प्रकृति-चित्रण' on the basis of Abhijnanashakuntalam of Mahakavi Kalidasa.

अथवा

(*Or*)

स्वप्नवासवदत्तम् के राजा उदयन, रानी वासवदत्ता तथा पद्मावती के चरित्रों पर सारगर्भित प्रकाश डालिए ।

Write the characteristics of King Udyan, Queen Vasvadatta and Padmavati.

4. (अ) निम्नलिखित अनुच्छेद का **संस्कृत** में अनुवाद कीजिये : 1×20=20

Translate the following paragraph into **Sanskrit** :

पं. जवाहरलाल नेहरू संयोग से इतिहासकार बन गए । उनकी इतिहास सम्बन्धी रचनाएँ 'कारावास साहित्य' की विधा के रूप में जानी जाने लगीं । उन्हें ब्रिटिश सरकार द्वारा कारावास में डाल दिया गया क्योंकि उन्होंने जनता में राष्ट्रीय भावना को जगाया था और यह सत्ता के लिए चुनौती थी । कारावास में उन्होंने इतिहासकार की भूमिका को ग्रहण कर लिया । उनके पास काफी समय था जबकि दूसरे लोग अकर्मण्यता और निष्क्रियता

में ही अपना समय काट रहे थे । पण्डितजी लेखन कार्य में जुट गए । वे अपने-आप में खो गए । अपने निर्माण काल में पंडितजी ने जो व्यापक अध्ययन किया था उसका पुन: अवलोकन किया । तब, उनमें इतिहास को अपनी व्याख्या देने का विचार आया ।

Pt. Jawaharlal Nehru became a historian by coincidence. His historical works belong to the genre known as prison literature. It was because he was put in prisons by the British Government because he whipped up the national fervour of the people and this challenged the seat of power. In prison, he could take to his role as a historian. He had plenty of time on hand where others might have 'killed time' by indolence and passivity. Panditji turned to pen. He developed into his very being. He went over all the vast and wide reading, he had done during his formative period. Then come the idea of giving own interpretation of history.

अथवा

(Or)

(1) वह अभी नाबालिग है ।

(2) तुम्हारे होश हवास ठीक नहीं हैं ।

(3) घोर सन्नाटा छाया हुआ था ।

(4) वह बड़ी कठिनाई में पड़ गया ।

(5) उसका व्यापार मंदा है ।

(6) मैं किंकर्त्तव्यविमूढ़ हूँ ।

(7) यह मौका मेरे हाथ से निकल गया ।

(8) क्या तुम पागल हो गए हो ?

(9) शान्ति वार्ता अधूरी छोड़ देनी पड़ी ।

(10) वह हमारे कुल का कलंक है ।

(1) He is underage now.

(2) You are out of your sense.

(3) There was a dead calm.

(4) He was into the great trouble.

(5) His business is at a low ebb.

(6) I am at loss to determine what to do ?

(7) This opportunity slipped through my fingers.

(8) Have you gone mad ?

(9) Peace talks had to be aborted.

(10) He is the black sheep of our family.

(आ) निम्नांकित में से किसी **एक** पर संस्कृत में निबन्ध लिखिये : 1×40=40

Write an essay in Sanskrit on any *one* of the following :

(*i*) रामायणे सामाजिक सौहार्द: ।

(*ii*) उद्धरेदात्मनात्मानम् ।

(*iii*) आधुनिकयुगे पर्यावरणसंरक्षणम् ।

(*iv*) आत्मन: प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत् ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** (प्रत्येक पर लगभग **200** शब्दों में) पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 4×15=60

Write short notes on any *four* of the following (in about **200** words each) :

(A) 'शाकुन्तलम्' के आधार पर महर्षि कण्व के चरित्र पर टिप्पणी लिखिये ।

Write a note on the characteristics of 'महर्षि कण्व' on the basis of Shakuntalam.

(B) शुकनासोपदेश में 'लक्ष्मी' की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए ।

Write the characteristics of 'Laxmi' in the 'शुकनासोपदेश'.

(C) यौगन्धरायण के बुद्धिचातुर्य पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

Write a short note on the Wisdom (बुद्धिचातुर्य) of 'यौगन्धरायण'.

(D) 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के शीर्षक की सार्थकता प्रतिपादित कीजिए ।

Explain the significance of the title 'स्वप्नवासवदत्तम्'.

(E) राजा दुष्यन्त के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

Write the characteristics of 'राजा दुष्यन्त'.

(F) महाकवि बाण द्वारा वर्णित 'गुरूपदेश' के महत्त्व पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिये ।

Write a short essay on the importance of 'गुरूपदेश' as presented by महाकवि बाण.

अनुक्रमांक / **Roll No.**

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें ।

Candidate should write his/her Roll No. here.

कुल प्रश्नों की संख्या : **5**

Total No. of Questions : **5**

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : **12**

No. of Printed Pages : **12**

M2622012

संस्कृत साहित्य

SANSKRIT LITERATURE

द्वितीय प्रश्न-पत्र

Second Paper

समय : **3** घंटे] [पूर्णांक : **300**

Time : **3** Hours] [Total Marks : **300**

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश :

Instructions to the candidates :

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रश्न क्र. **2** से **5** तक में आंतरिक विकल्प हैं ।

   This question paper consists of *five* questions. *All* the questions have to be answered. Question Nos. **2** to **5** have an internal choice.

2. प्रश्न-पत्र के कुल अंक **300** हैं तथा निर्धारित समय **3** घंटे है । यदि अन्यथा नहीं दर्शाया गया है, तो सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका चयन आपने अपने आवेदन-पत्र में किया है । किसी अन्य माध्यम में लिखे गये उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेगा । सभी **पाँच** प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रश्न-पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें, एक ही प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से एक साथ ही लिखे जायें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखे जायें ।

The total number of marks of the question paper is **300** and the time allotted is **3** hours. *All* questions carry equal marks, unless specifically stated otherwise. Answers should be written in the medium which you have chosen in your Application Form. No marks will be awarded, if the answer is written in any other medium. All the *five* questions must be answered. Questions should be answered exactly in order in which they appear in the question paper. Answers to the various parts of the same question should be written together compulsorily and no answers of other questions should be inserted between them.

3. प्रथम प्रश्न लघु उत्तरीय होगा जिसमें **20** अनिवार्य प्रश्न होंगे । प्रत्येक का उत्तर **एक** अथवा **दो** पंक्तियों में देना होगा ।

The first question will be of short answer type consisting of **20** compulsory questions. Each one is to be answered in *one* or *two* lines.

4. जहाँ शब्द सीमा दी गई है उसका अवश्य पालन करें ।

Wherever word limit has been given, it must be adhered to.

5. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपांतर में से अंग्रेजी रूपांतर मानक माना जायेगा ।

In case there is any error of printing or factual nature, then out of the Hindi and English versions of the question, the English version will be treated as standard.

1. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक** या **दो** पंक्तियों में दीजिये : 20×3=60

Answer the following questions in *one* or *two* lines each :

(A) 'वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः' – यह सूक्ति किसने कही है ?

'वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः' – who said this Sukti ?

(B) 'किरातार्जुनीयम्' के कथानक का मूल स्रोत कहाँ पर है ?

Where is the main source of 'किरातार्जुनीयम्' episode ?

(C) 'नलोपाख्यान' में कितने अध्याय हैं ?

How many chapters are there in the 'नलोपाख्यान' ?

(D) 'चित्तप्रमाथिनी वाला देवानामपि सुन्दरी' – यह कथन किसके लिये मिलता है ?

'चित्तप्रमाथिनी वाला देवानामपि सुन्दरी' – for whom is this statement available ?

(E) वाल्मीकि को आदिकवि क्यों कहा जाता है ?

Why is वाल्मीकि called आदिकवि ?

(F) 'यन्नेहास्ति न तत्क्वचित्' – यह किस साहित्यिक रचना के लिये कहा जाता है ?

For which literary composition is called 'यन्नेहास्ति न तत्क्वचित्' ?

(G) 'विद्यावतां भागवते परीक्षा' का अभिप्राय क्या है ?

What is the intention of 'विद्यावतां भागवते परीक्षा' ?

(H) 'उज्जयिनी' के लिए कालिदास ने और कौनसा दूसरा नाम दिया है, लिखिये ।

Write the other name of 'उज्जयिनी' which is given by Kalidas ?

(I) किस कारण दण्डी सुप्रसिद्ध गद्यशिल्पी हैं ?

For what reason दण्डी is a renowned prosaist ?

(J) गुण सन्धि क्या है ? सोदाहरण लिखिये ।

What is गुण सन्धि ? Write with example.

(K) 'तोर्लि' सूत्र का अर्थ सोदाहरण लिखिये ।

Write the meaning of 'तोर्लि' with example.

(L) सम्बन्ध को कारक क्यों नहीं माना जाता ?

Why is Genitive not a 'कारक' ?

(M) बहुब्रीहि एवं तत्पुरुष समास में अन्तर स्पष्ट कीजिये ।

Differentiate between बहुब्रीहि and तत्पुरुष समास ?

(N) कृदन्त प्रत्यय को परिभाषित कीजिये एवं शतृ एवं शानच् प्रत्ययों के उदाहरण दीजिये

Define the कृदन्त प्रत्यय and give the example of शतृ and शानच् प्रत्ययs.

(O) 'तस्यापत्यम्' सूत्र से कौनसा प्रत्यय होता है ? सोदाहरण लिखिये ।

Which प्रत्यय signify the सूत्र 'तस्यापत्यम्' ? Write with example.

(P) 'नलोपाख्यान' पर आधारित किन्हीं **तीन** रचनाओं के नाम लिखिये ।

Write the *three* names of the works based on 'नलोपाख्यान'.

(Q) निम्नलिखित उदाहरण में अलङ्कार का निर्देश कीजिये :

Write the name of अलङ्कार in the following example :

कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे

जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः ।

न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं

प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः ॥

(R) विभावना और विशेषोक्ति में अन्तर स्पष्ट कीजिये ।

Write the difference between विभावना and विशेषोक्ति.

(S) उपमा और रूपक अलङ्कारों के लक्षण लिखिये ।

Define the उपमा and रूपक Alankaras.

(T) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिये :

Correct the following sentences :

(*i*) दरिद्रं धन ददाति ।

(*ii*) चौरेण विभेति ।

(*iii*) अक्षात् काणः ।

2. निम्नलिखित की ससंदर्भ व्याख्या कीजिये : 3×20=60

Explain with reference to the context of the following :

(*i*) उदारकीर्तेरुदयं दयावतः

प्रशान्तबाधं दिशतोऽभिरक्षया ।

स्वयं प्रदुग्धेऽस्य गुणैरुपस्तुता

वसूपमानस्य वसूनि मेदिनी ॥

अथवा

(*Or*)

उन्मत्तरूपा शोकार्ता तथा वस्त्रार्धसंवृता ।

कृशा विवर्णा मलिना पांसुध्वस्तशिरोरुहा ॥

तां दृष्ट्वा तत्र मनुजाः केचिद्भीताः प्रदुद्रुवुः ।

केचिच्चिन्तापरातस्थुः केचित्तया विचुक्रुशुः ॥

(*ii*) चतसृष्वपि ते विवेकिनी नृप !

विद्यासु निरूढिभागता ।

कथमेत्य मतिर्विपर्ययं

करिणी पङ्कमिवावसीदति ॥

अथवा

(Or)

बिहाय शान्तिं नृप धाम तत्पुनः

प्रसीद सन्धेहि वधाय विद्विषाम् ।

व्रजन्ति शत्रूनवधूय निःस्पृहाः

शमेन सिद्धिं मुनयो न भूभृतः ॥

(*iii*) तत्र स्म राजते भैमी सर्वाभरणभूषिता ।

सखीमध्येऽनवद्याङ्गी विद्युत्सौदामिनी यथा ॥

अतीव रूपसम्पन्ना श्रीरिवायतलोचना ।

न देवेषु न यक्षेषु तादृग्रूपवती क्वचित् ॥

अथवा

(Or)

कदानु खलु दुःखस्य पारं यास्यति वै शुभा ।

भर्तुः समागमात्साध्वी रोहिणो शशिनो यथा ॥

अस्या नूनं पुनर्लाभान्नैषधः प्रीतिमेष्यति ।

राजा राज्यपरिभ्रष्टः पुनर्लब्ध्वेव मेदिनी ॥

3. 'भारवेरर्थगौरवम्' की विवेचना कीजिये । 60

Discuss 'भारवेरर्थगौरवम्'.

अथवा

(*Or*)

महाभारत की उपाख्यान परम्परा में 'नलोपाख्यान' का महत्व प्रतिपादित कीजिये ।

Discuss the importance of 'नलोपाख्यान' in the tradition of उपाख्यान परम्परा of महाभारत ?

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये (प्रत्येक टिप्पणी **200** शब्दों में हो) : 4×15=60

Write short notes on any *four* of the following in **200** words each :

(*i*) उदिते नैषधे काव्ये क्व माघः क्व च भारविः ।

(*ii*) 'महाभारत' का विकास-क्रम ।

Development of 'महाभारत'.

(*iii*) दण्डिनः पदलालित्यम् ।

(*iv*) तिलकमञ्जरी ।

(*v*) राजशेखर की रचनाएँ ।

Works of राजशेखर.

(*vi*) गीतगोविन्दम् ।

(*vii*) 'मृच्छकटिकम्' में वर्णित समाज ।

Society as depicted in 'मृच्छकटिकम्'.

(*viii*) शतकत्रयम् ।

5. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** की सन्धि कीजिये : 5×2=10

Join any *five* of the following :

(*i*) देव + ऋषिः

(*ii*) सदा + एव

(*iii*) नै + अकः

(*iv*) तपः + चिनोति

(*v*) तत् + टीका

(*vi*) हरिः + शेते

(*vii*) जगत् + नाथः

(*viii*) पुनः + अपि

(*ix*) गुरुः + उवाच ।

(आ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** का विग्रह करके नाम लिखिये : 5×2=10

Mention names of compounds any *five* showing their disjoinings (विग्रह) :

(*i*) अनुहरि

(*ii*) पीताम्बरम्

(*iii*) सुखप्राप्तः

(*iv*) चतुष्पथम्

(*v*) रामकृष्णौ

(*vi*) चन्द्रशेखर:

(*vii*) घनश्याम:

(*viii*) अश्वपतित:

(*ix*) गङ्गाजलम्

(*x*) असुर: ।

(इ) किन्हीं **पाँच** वाक्यों को शुद्ध कीजिये : 5×2=10

Correct any *five* sentences :

(*i*) गुरुं नम: ।

(*ii*) कृष्णस्य उभयत: गोपा: ।

(*iii*) दरिद्रं धनं ददाति ।

(*iv*) भोजनस्य पूर्वं हस्तप्रक्षालनं करणीयम् ।

(*v*) रामेण पुस्तकं अस्ति ।

(*vi*) मोक्षं इच्छाऽस्ति ।

(*vii*) बाल: हस्तं पुस्तकं गृह्णाति ।

(*viii*) छात्रेभ्य: राम: पटुतम: ।

(*ix*) ज्ञानं ऋते न मुक्ति: ।

(*x*) प्रजां स्वस्ति ।

(ई) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** की प्रकृति एवं प्रत्यय का निर्देश कीजिये : 5×2=10

Point out the प्रकृति and प्रत्यय any *five* of the following :

(*i*) भोक्तुम्

(*ii*) गेयम्

(*iii*) अर्चनीयम्

(*iv*) नृत्यन्

(*v*) दीप्यमानः

(*vi*) छिन्नः

(*vii*) कारकः

(*viii*) शयितव्यम्

(*ix*) नीतवत्

(*x*) पठनम् ।

(उ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** की प्रकृति और प्रत्यय का निर्देश कीजिये : 5×2=10

Point out the प्रकृति and प्रत्यय any *five* of the following :

(*i*) वैष्णवः

(*ii*) ऐन्द्रः

(*iii*) दाक्षिः

(*iv*) गुरुत्वम्

(*v*) मतिमान्

(*vi*) सौन्दर्यम्

(*vii*) गौधूमः

(*viii*) गव्यम्

(*ix*) दृढिमा

(*x*) सार्वभौमः ।

(ऊ) किन्हीं **दो** अलङ्कारों को सोदाहरण परिभाषित कीजिये : 2×5=10

Define any *two* अलङ्कार with example :

(*i*) अनुप्रास

(*ii*) उत्प्रेक्षा

(*iii*) स्वभावोक्तिः

(*iv*) दृष्टान्तः ।